दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-217
मुरादाबाद
28 November 2024
(Thursday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोले– कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है तेलंगाना की जनता , अब भाजपा है उनकी उम्मीद

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के भाजपा विधायकों और सांसदों के साथ एक बैठक के बाद यह बात कही। भाजपा विधायकों से मुलाकात के बाद तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना भाजपा के विधायकों और सांसदों के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना की जनता वहां की कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कुशासन की भयानक यादें अब भी उनके मन में ताजा हैं, लिहाजा वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर बड़ी उम्मीद से देख रही है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के भाजपा विधायकों और सांसदों के साथ एक बैठक के बाद यह बात कही। भाजपा विधायकों से मुलाकात के बाद तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना भाजपा के विधायकों और सांसदों के साथ बहुत अच्छी बैठक हुईउन्होंने कहा, राज्य में हमारी पार्टी की उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है। तेलंगाना के लोग पहले ही कांग्रेस से तंग आ चुके हैं

और बीआरएस कुशासन की भयानक यादें हैं। वे बड़ी उम्मीद से भाजपा की ओर देख रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा लगातार आवाज उठाती रहेगी। पीए मोदी ने कहा, हमारे कार्यकर्ता विकास के एजेंडे पर विस्तार से काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार तथा वरिष्ठ नेता के लक्ष्मण सहित कई सांसद और विधायक शामिल थे। बता दें कि, पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा सीट में से कांग्रेस ने 64 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। जबकि सत्तारूढ़ बीआरएस 39 सीट पर सिमट गई थी। तेलंगाना में भाजपा ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आठ सीट जीती थी।

संक्षिप्त समाचार

संभल में पुलिस की गोली से मारे गए युवक, मौलाना तौकीर रजा ने लगाया बड़ा आरोप

बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने बुधवार को अपने आवास पर बैठक की। जिसमें शहर के सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, वकील आदि शामिल हुए। उन्होंने संभल के हालात पर चर्चा की। हिंसा में मारे गए लोगों को लेकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया।संभल हिंसा पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि संभल में कोई दंगा नहीं हुआ है। सभी युवक पुलिस की गोली से मारे गए हैं। मौलाना ने कहा कि हमारे बच्चे मारे जा रहे हैं और हम ही मुल्जिम करार दिए जा रहे हैं, यह कैसा कानून बना दिया गया है। खबरें आ रही हैं कि मुसलमानों के घरों में घुसकर तोड़फोड़ की जा रही है। सर्वे टीम के साथ भीड़ में कौन लोग?- मौलाना उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में सर्वे टीम के साथ धार्मिक नारे लगाते लोगों की भीड़ नज़र आ रही है। कौन लोग हैं ये जो इस तरह का माहौल बना रहे हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती। इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है। मौलाना ने कहा कि संभल में जुल्म हो रहा है। बाहर से किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है। हम चाह कर भी मारे गए लोगों के जनाजे में शरीक नहीं हो सकते थे। आईएमसी प्रमुख ने कहा कि बहुत जल्द हम संभल जाएंगे। तौकीर रजा खान ने कहा कि उपासना स्थल अधिनियम 1991 के रहते जिस तरह एक के बाद एक मस्जिदों में मंदिर ढूंढे जा रहे हैं,

सीएम योगी बोले : इलाहाबाद विश्वविद्यालय का समाज के हर क्षेत्र में योगदान, गौरवशाली परंपरा पुनः होगी वापस

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को विवि की ओर से मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावियों को भी उपाधियां दी। सीएम ने कहा कि इलाहाबाद विवि की एक गौरवशाली परंपरा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक गौरवशाली परंपरा रही है। न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से निकले छात्र सेवा दे रहे हैं। सार्वजनिक जीवन से लेकर विज्ञान, राजनीति, साहित्य. कला, शिक्षा हर क्षेत्र में यहां के छात्र आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अपना पुरातन गौरव को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से आगे बढ़ रहा है इससे वह दिन दूर नहीं जब वह अपने इस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेगा। सीएम योगी बुधवार को इलााहबाद विवि के 136 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही अन्य मेधावियों को भी उपाधि दी। सीएम योगी ने कहा कि हमें समय के साथ चलने की जरूरत है। जो समय के साथ नहीं चलता है समय उसको समाप्त कर देता है। इसलिए विवि को चाहिए को वह अपने छात्रों को समय की गति से दस कम आगे चलने के लिए तैयार करना चाहिए ताकि छात्र समय की चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें। कहा कि इलाहाबाद की यह खासियत है कि यहां जो जिस भाव से आता है वह वैसा ही बन जाता है। कहा कि इलाहाबाद विवि अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें इलाहाबाद विवि ने इस देश को कुछ न दिया है। समय के साथ नहीं चलें तो बन जाएंगे पिछलग्गू- सीएम योगी ने कहा कि समय के साथ चलेंगे तो समाज, देश और दुनिया हम सबका अनुसरण करेगी नहीं तो हम पिछलग्गू बनकर ही रह जाएंगे। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि समय के साथ चलना है या अपने को पिछड़ा घोषित करना कर पिछलग्गू बनकर रहना है। इलाहाबाद विवि इसी द्वंद का शिकार है। विपरीत चुनौतियों का सामना करते हुए विवि अपनी पुरानी, प्रतिष्ठा और गौरव को प्राप्त करने लिए जूझ रहा है। एक दिन इसे जरूर सफलता मिलेगी इसमें कोई संदेह नहीं है। संविधान की मूल प्रति में नहीं हैं पंथनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द- इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में पंथनिरपेक्ष और समाजवाद जैसा कोई शब्द नहीं है। यह दो शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी और न्यायपालिका के अधिकार कुंद कर दिए गए थे। जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, वह आज संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि यह समाज उन लोगों का मूल्यांकन कब करेगा, जो लोकतंत्र के लिए स्वयं एक खतरा है। इन्होंने संविधान में स्वयं अपनी मर्जी से छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास करने के साथ लोकतंत्र को पैरालाइज करने का प्रयास भी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले यह बताएं कि क्या एक परिवार की चाटुकारिता ही समाजवादी आंदोलन है। उन्होंने छात्र संघ के मुद्दे पर कहा कि छात्र संघ चुनाव में शिरकत करने के लिए अधिकतम आयु निर्धारित होनी चाहिए। सीधे तौर पर पर ना सही लेकिन उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाली की वकालत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर आठ मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए। साथ ही कवि कुमार विश्वास को मानव उपाधि प्रदान की।कुमार विश्वास को दी गई मानद उपाधि- जाने माने कवि डॉ. कुमार विश्वास को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से मानद उपाधि प्राप्त की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुमार विश्वास को उपाधि प्रदान करने के साथ ही उनकी काफी प्रशंसा की। कहा कि भारत देश का ऐसा कोई व्यक्ति या हिंदी प्रेमी नहीं होगा जो कुमार विश्वास न सुनना चाहता हो। जिन छात्रों को मिला पदक- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परास्नातक पाठ्यक्रम के तहत एमए संस्कृत की छात्रा दीक्षा पांडे, एमएससी रसायन विज्ञान की छात्रा रिया तिवारी, एमकॉम की छात्रा रिया वर्मा और विधि की छात्रा नेहा उत्तम को अपने हाथ से पदक दिया। स्नातक पाठ्यक्रम में बीए संस्कृत व हिंदी की छात्रा आंचल त्रिपाठी, बीएससी वनस्पति विज्ञान व रसायन विज्ञान की छात्रा मणि रश्मि, बीकॉम के छात्र शुभम कुमार यादव और बीएएलएलबी की छात्रा रितिका सिंह को मंच से स्वर्ण पदक किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह के कारण सभी संकायों की कक्षाएं और अन्य कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। बीए में दिए गए 25 पदक- इस वर्ष बीए स्नातक के विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को 25 पदक प्रदान किए गए हिंदी की आंचल त्रिपाठी को छह, अर्थशास्त्र के हर्ष वर्धन बाजपेयी को चार पदक मिले। विज्ञान में शशांक यादव, संस्कृत में निशांत सिंह व उर्दू में उमरा यूसूफ को पदक दिया गया।

'अगले CM के लिए फडणवीस का समर्थन करूंगा, लेकिन भाजपा आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा', आठवले बोले

आरपीआई (ए) के नेता रामदास आठवले ने बुधवार को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन किया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा आलाकमान के फैसला का पालन करेंगे।केंद्रीय मंत्री और आरपीआई (ए) के नेता रामदास आठवले ने बुधवार को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन किया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा आलाकमान के फैसला का पालन करेंगे। आठवले ने कहा कि अगर भाजपा शीर्ष नेतृत्व एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला करता है, तो आरपीआई(ए) उस फैसले का भी सम्मान करेगा। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी मानती है कि देवेंद्र फडणवीस को फिर से मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलना चाहिए। हालांकि, अगर हाई कमान एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाता है, तो हम उसका भी समर्थन करेंगे। आठवले ने यह भी याद दिलाया कि देवेंद्र फडणवीस ने 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री के रूप में काम किया और एकनाथ शिंदे के तहत महायुति सरकार में उप मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया था। हाल ही में, आठवले ने यह भी सुझाव दिया कि एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं या फिर प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में शामिल हो सकते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत हासिल की है। जिसमें उसे 288 सीटों में से 230 सीटें जीतीं। भाजपा ने अकेले 132 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि शिंदे की शिवसेना को 57 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 41 सीटें मिलीं। गठबंधन के छोटे दलों ने पांच सीटें जीतीं। इससे पहले, ठाणे में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने साफ किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भरोसा दिलाया है कि वे भाजपा के फैसले का पालन करेंगे और मुख्यमंत्री के नाम पर कोई अड़चन नहीं डालेंगे। शिंदे ने कहा कि वे भाजपा नेतृत्व के फैसले का पूर्ण समर्थन करेंगे।

'मुझे सीएम बनने की लालसा नहीं, पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर', एकनाथ शिंदे ने साफ किया रुख

शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को बहुमत मिला है। मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है। आम आदमी को कहां-कहां दिक्कत आती है, मैं समझता हूं। मैंने कभी खुद को मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने आम आदमी की तरह काम किया।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने बुधवार को सीएम पद को लेकर चल रही चर्चाओं को विराम दे दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मन में सीएम बनने की लालसा नहीं है। पीएम मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे मुझे मंजूर होगा। सरकार बनाते समय मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं आएगी। मैं चट्टान की तरह साथ खड़ा हूं। भाजपा की बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, हमें मान्य होगा। भाजपा का सीएम मुझे मंजूर है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले ढाई साल में पीएम मोदी और अमित शाह ने मेरा पूरा सहयोग किया। अमित शाह और पीएम मोदी ने बालासाहेब ठाकरे के एक आम शिवसैनिक को सीएम बनाने के सपने को पूरा किया है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मुझे मुख्यमंत्री बनाया और बड़ी जिम्मेदारी दी। मैं रोने वालों और लड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं भागने वाला नहीं समाधान करने वाला व्यक्ति हूं। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं। ढाई साल तक हमने खूब काम किया है। महाराष्ट्र में विकास की रफ्तार बढ़ी है। हमने हर वर्ग की भलाई के लिए काम कियाएकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को बहुमत मिला है। मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है। विकास की योजनाओं को समर्थन मिला है। आम आदमी को कहां-कहां दिक्कत आती है, मैं समझता हूं। मैंने खुद को कभी मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने आम आदमी की तरह काम किया। महाराष्ट्र की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की है। हमारे काम का नतीजा दिख रहा है। हमने लाडली बहन योजना पर काम शुरू किया। मैं लाडली बहनों का लाडला भाई हूं। उन्होंने कहा कि अगर मेरी वजह से महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कोई समस्या आती है, तो पीएम मोदी और अमित शाह अपने में कोई संदेह न लाएं और आप जो भी फैसला लेंगे, वह मुझे मंजूर है। आप हमारे परिवार के मुखिया हैं। जिस तरह से भाजपा के लोग आपके फैसले को स्वीकार करते हैं, हम भी उसी तरह से आपके फैसले को स्वीकार करेंगे। मैंने कल पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया और उन्हें बताया कि मेरी वजह से सरकार बनाने में कोई समस्या नहीं होगी। शिंदे भाजपा नेतृत्व को समझ नहीं पा रहे- कांग्रेस महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे समझ नहीं पा रहे हैं कि भाजपा नेतृत्व क्या है। सीएम चेहरे की घोषणा में देरी के पीछे एक बड़ा कारण है। ईवीएम-बैलेट पेपर मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की है कि हम बैलेट पेपर से मतदान बहाल करने के लिए अपनी आवाज उठाएंगे। महाराष्ट्र में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा। विपक्ष ने उठाए थे सवाल- महाराष्ट्र में नए सीएम के चयन को लेकर महायुति में फैसला लेने में हो रही देरी पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। दावा किया गया था कि भाजपा हाईकमान जातीय समीकरण से लेकर एनडीए के सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना चाह रहा है। कयास लगाए गए थे

संपादकीय Editorial

Understand the value of the Constitution

Tuesday, 26 November was 'Constitution Day'. The Constitution was adopted on this day in 1949. The Constitution was duly implemented on 26 January 1950 on the occasion of 'Republic Day'. Since then we are a 'constitutional nation', but it has also been ignored, so questions have been raised whether India will run by the Constitution or by caste and religion..? The question of the legal morality of the Constitution is before both the majority and minority communities. The Constitution cannot be interpreted with stubbornness and prejudices. This time the proceedings of the Parliament are postponed on 'Constitution Day'. The 75th anniversary of the Constitution was to be celebrated in the 'Central Hall' of the old Parliament House. President Draupadi Murmu was to address. After that the proceedings of the Parliament could have been started. The winter session of the Parliament has started a day earlier. The opposition insisted on the alleged bribery scandal of industrialist Gautam Adani and created such a ruckus that the proceedings of both the houses had to be adjourned. This is not a constitutional value. An industrialist is not the Parliament. The US court has issued a warrant against Adani. Of course, if the bribery scandal has happened within India, then the state governments can file a case for it. Why has this not happened till now? Because the governments also take donations worth crores from Adani. Adani also runs government projects. Whatever the party, all the governments are naked in this hammam. Actually, what is the justification of the ruckus and insistence on a debate in Parliament only on the issue of Adani? There are many other issues before the Parliament, which should be discussed on priority. In the Rajya Sabha, the Leader of Opposition Mallikarjun Kharge kept on tangling with the Vice President and Chairman Jagdeep Dhankhar on the 'Adani scandal', while the Chairman had rejected all 13 notices on the Adani issue. The directors of the Constitution are the Speaker and the Lok Sabha and also the MPs including the Leader of the Opposition, but what is constitutional morality? When the Constitution was adopted, the architect of the Constitution, Dr. Bhimrao Ambedkar was concerned about such contradictions. He was, to a large extent, confident about political equality, but was concerned about socio-economic inequalities. Ambedkar had said - The Constitution is not just a book, but also the entire country, civil society and its moral values. No matter how good the Constitution is and how much equality it advocates, if it gets entangled in the wrong people, it can also prove to be bad. If the people implementing the Constitution are good and the citizens understand the human values ????enshrined in the Constitution, then no matter how bad the Constitution is, it will ultimately prove to be meaningful.' Anyway, today is the day to understand those same concerns of Baba Ambedkar. A day before 'Constitution Day', a judicial bench of Chief Justice Sanjiv Khanna and Justice Sanjay Kumar has refused to remove the words 'secular' and 'socialist' from the Preamble of the Constitution under the 42nd Amendment and has dismissed all the petitions. Parliament also has the power to amend the Preamble of the Constitution. Under Article 368, the power to amend also extends to the Preamble. It is very important to understand this relationship between the Constitution and the Parliament. It is not so noteworthy that Rs 2.5 lakh is spent on every minute of proceedings of the Parliament. This expenditure amounts to Rs 1.5 crore per hour. More or less, on the 75th anniversary of 'Constitution Day', the entire Parliament should realize how anti-constitutional it is to stall the Parliament.

Be careful about disputes like Sambhal, a mosque will not be converted into a temple just by survey

It has been said for a long time about the Jama Masjid of Sambhal that earlier there was a Harihar temple in the name of Lord Vishnu, which was demolished on the orders of Babar and a mosque was built there. Many historians also say this. Some people went to the local court on the basis of the claim that a mosque was built in place of the temple. On 19 November, the court ordered a survey. In the temple-mosque dispute, any Indian citizen should have enough understanding that if a court orders a survey of a mosque, then those claiming it to be a temple cannot occupy it just because a survey is conducted. Not more so because the Places of Worship Act of 1991 says that all religious places will remain in the same condition as they were on 15 August 1947. This Act, along with ordering to maintain the status quo in the case of religious places, also allows that a survey can be conducted to know the religious nature of a place. Due to this, first the survey of Gyanvapi complex in Varanasi was done and then the Bhojshala complex in Dhar, Madhya Pradesh. The matter of survey of Idgah Mosque of Mathura is pending in the Supreme Court. Everyone will be aware that during the survey in Gyanvapi and Bhojshala, nothing like what happened in Sambhal happened. There was so much violence in Sambhal that four people lost their lives and many people were injured, including many policemen. The fierce stone pelting in Sambhal is indicating that preparations were made for it in advance. It has been said for a long time about the Jama Masjid of Sambhal that earlier there was a Harihar temple in the name of Lord Vishnu, which was demolished on the orders of Babar and a mosque was built there. Many historians also say this. Some people went to the local court on the basis of the claim that a mosque was built in place of the temple. On November 19, the court ordered a survey. The survey work started on the evening of the same day, but due to darkness it could not be completed and it was decided that it would be done some other day. To stop this, the way to go to the higher court was open. It seems that instead of resorting to it, some people thought it better to pelt stones. Amidst the stone pelting, police vehicles were also targeted and firing was also done. If the police is to be believed, the four people who died did not die from their bullets. Don't know what is the truth. Now there is a lot of debate on why the violence happened and who did it? Maybe it will be known, but this will not bring back those who lost their lives. Don't know what rumor was spread about the survey of the mosque in Sambhal, but it is clear that there was no change in the status quo even after the survey. After all, when this could not happen even after getting irrefutable evidence of the temple in Ayodhya, then how could it happen in Sambhal? It is a fact that the status quo remains even after the survey of Gyanvapi and Bhojshala. This could be one basis for the objection of those who lost their temper over the survey of Jama Masjid in Sambhal, why the order of the local court to survey the mosque started being implemented immediately, but was stone pelting the answer to this objection? According to Zafar Ali, the head of Jama Masjid, the crowd got confused because during the survey of the mosque, the water of the tank of the wuzukhaana was taken out and people thought that its digging had started. This is strange and ridiculous, because the so-called confused people were seen wearing masks and pelting stones. This is not the first time that violence has been done by taking to the streets against a decision of the government or the court. The same was seen in the case of the Citizenship Amendment Act. At that time, large-scale violence was done by taking to the streets, while this law had nothing to do with any Indian citizen. In this violence, government and non-government property was set on fire and in Delhi, a major road was blocked in the Shaheen Bagh area for about a year and a sit-in was held. This sit-in later became the reason for the fierce riots in Delhi, in which more than 50 people were killed. It is possible that a person, group or community may not like a decision, but this does not mean that they should do what was done in Sambhal. No one can be allowed to do whatever he wants if he does not want to do it. There are only two ways to resolve temple-mosque disputes - one, through the courts and the other, through mutual consent. Temple-mosque disputes can be resolved through mutual consent, the proof of this is the Pavagadh temple of Gujarat. The peak of this ancient temple was demolished by the invader Sultan Mahmud Begada in the 15th century and a shrine of a saint was built there. After long talks between the two parties, it was agreed to hoist the flag on the peak of the temple and thus, after hundreds of years, in 2002, the saffron flag was hoisted on the peak of the temple. It is a fact that there are so many temples in the country, which were demolished by the invaders and mosques were built there. It would not be right to try to convert every such mosque into a temple. This can happen only in a few selected cases. Where this cannot be done, it would be enough to simply mention on the basis of evidence that this place was a temple earlier. If the country has to move forward then it will have to come out of the temple-mosque disputes.

Hopes of Congress' revival shattered, Assembly election results give shock

The political nature of Jharkhand is such that no party has won the election twice in a row and it has been a tradition to form government in turns. Often the people of the state have given a fragmented mandate, which has nourished the politics of manipulation here. Reversing such trends, the people of the state have registered a strong victory for INDIAA under the leadership of Jharkhand Mukti Morcha (JMM). The results of the recently concluded Maharashtra and Jharkhand Assembly elections are being analyzed from various perspectives. It can certainly be said about these results that they were quite unexpected. The ruling coalitions in both the states not only returned to power, but their victory was even stronger than before. These elections can also be called unexpected considering that both the states also reversed the trend of the Lok Sabha elections held about six months ago. The BJP had suffered a huge setback in Maharashtra, the largest state after Uttar Pradesh in terms of Lok Sabha seats, while its position was good in Jharkhand. One of the major reasons for BJP not getting absolute majority on its own in the Lok Sabha was also considered to be its weak performance in Maharashtra. In Maharashtra, except for some intervals in between, BJP was in power and it was also facing some anti-incumbency trend. Various kinds of news were coming about coordination with allies like Eknath Shinde and Ajit Pawar. The ongoing campaign regarding Maratha reservation movement and discontent in rural areas and agricultural crisis were also increasing the difficulties of the government. Despite this, the ruling coalition Mahayuti won such a landslide victory that the opposition parties did not even get enough seats to get the post of Leader of Opposition. On the other hand, BJP's defeat in Jharkhand is going to force political analysts to think afresh. The political nature of Jharkhand has been such that no party has won the election twice in a row and there has been a tradition of forming the government in turns. Often the people of the state gave a fragmented mandate, due to which the politics of manipulation kept getting a lot of nourishment here. Reversing such trends, the people of the state have registered a resounding victory for INDIAA under the leadership of Jharkhand Mukti Morcha (JMM). BJP was raising the issue of Bangladeshi intruders here and linking it with the crisis on tribal identity. Also, with the return of Babulal Marandi and a favorable alliance with Sudesh Mahato and bringing JMM stalwarts like Champai Soren to its side, BJP seemed confident of victory. The results rendered all these aspects ineffective and JMM was successful in reversing the anti-incumbency trend. The contribution of schemes being run for women is being cited as the most important factor in the victory of the ruling coalition in both the states. While the Mahayuti government of Maharashtra placed a big bet on the Ladki Behen Yojana, the JMM government placed a big bet on the Mainiya Samman Yojana. These bets were also effective. In both the states, the opposition parties also promised similar or in many ways even more attractive schemes, but the voters expressed their trust in the existing schemes, which were benefiting them. Undoubtedly, these schemes have played a big role in the winning coalitions of both the states, but only one factor cannot be responsible for such a massive victory. In such a victory, many factors are effective simultaneously. If we talk about one such factor, narrative, then contradictory trends come to the fore. While the issue of Bangladeshi infiltrators did not work in Jharkhand, slogans like 'If divided, they will be cut off' and 'If we are one, we are safe' were very popular in Maharashtra. Sharad Pawar, a big leader of the opposition faction, also made this admission. In such a situation, it is surprising that the nature of the narrative that worked in one state, why was it not effective in the other state? Along with these elections, the nature of the results of the last few elections has also been unpredictable. If we do not go too far back, then the Lok Sabha elections were the biggest example of this, where there was a kind of consensus about the return of the Modi government to power. Various speculations were being made about its possible seats, but no one had any doubt about the BJP getting an absolute majority on its own. The results were the opposite of that. Similarly, during the recent Haryana elections, it seemed that the game of power was just a formality to serve Congress.

संभल हिंसा पर डीआईजी बोले- निर्दोष लोग न हो परेशान, बवाली बख्शे नहीं जाएंगे

पुलिस सीसीटीवी व वीडियो से कर रही बवालियों की पहचान

मुरादाबाद- संभल बवाल के बाद पुलिस ने सीसीटीवी और वीडियो फुटेज से बवालियों की पहचान शुरू कर दी है। डीआईजी मुनिराज-जी ने बताया कि इसके लिए अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्दोष लोग शांति से करें, उन्हें परेशान होने की अपना काम जरुरत नहीं है। कोर्ट के आदेश पर शाही जामा मस्जिद संभल के सर्वे के लिए बीते रविवार की सुबह कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची थी। उसी दौरान मस्जिद के आसपास भारी भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ और पुलिस के बीच टकराव हुआ। इस दौरान जमकर पथराव, मारपीट, आगजनी और फायरिंग हुई। चार युवकों की गोली लगने से मौत भी हो गई। बवाल के बाद आसपास के जिलों की फोर्स बुलाकर किसी तरह स्थिति को नियंत्रण में लिया गया। बवाल के बाद से डीआईजी मुनिराज जी संभल में ही डेरा डाले हुए हैं। मंगलवार को डीआईजी ने कहा कि फिलहाल संभल में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मंगलवार को स्कूल और दुकानें खुली हैं। आवागमन भी हो रहा है। जनजीवन शांति से चल रहा है। डीआईजी ने कहा कि किसी भी निर्दोष को परेशान होने की जरूरत नहीं है, वह शांति से अपना काम करें। दर्ज मुकदमों के संबंध में कहा कि विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस की अलग-अलग टीमों को वायरल वीडियो और फोटो के माध्यम से बवालियों की पहचान करने की जिम्मेदारी दी गई है। कुछ लोग चेहरे पर नकाब लगाकर बवाल में शामिल हुए थे। उनकी भी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए बीट पुलिस से लेकर साइबर सेल के लोगों तक की मदद ली जा रही है। डीआईजी ने कहा कि किसी भी बवाली को बख्शा नहीं जाएगा। जो भी बवाल में शामिल रहा है उसे कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता में नेहरू जूनियर स्कूल की परी और आयुष अव्वल आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में नैट्टी चिल्ड्रन एकेडमी के गजराज प्रथम

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद। आकाँक्षा विद्यापीठ इण्टर कालिज मिलन विहार, में इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता बालक एवं बालिका एवं आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता (बालक) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 9 विद्यालयों के कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। स्कूल डांस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में प्रख्यात भजन गायक राजकुमार गोस्वामी एवं म्यूजिक टीचर सरिता भारद्वाज रही। आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में भास्कर राघव शारीरिक शिक्षक एवं अंजू शारीरिक शिक्षिका ने किया आकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर हिमांशु यादव ने बताया कि इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर नेहरू जूनियर की परी ब द्वितीय मैटी चिल्ड्रन एकेडमी की स्वाति और तृतीय स्थान पर महिलाल पब्लिक स्कूल की स्वाति रहीं। बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर नेहरू जूनियर स्कूल के आयुष, द्वितीय स्थान पर एसएस अकादमी के लकी व तृतीय स्थान पर जीके पब्लिक स्कूल के दिव्यांश रहे।वहीं आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त नैटी चिल्ड्रन एकेडमी के गजराज, द्वितीय स्थान पर आकांक्षा विद्यापीठ के सिद्धार्थ और तृतीय स्थानपर नैटी चिल्ड्रन एकेडमी के कृष्णा रहे। प्रधानाचार्य डा हिमांशु यादव ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को नगद पुरूस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजिका शिल्पी दीक्षित एवं मीनाक्षी गिरि रहीं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रवक्ता दीपक रस्तौगी ने किया। विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकायें कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जुआ खेलते पकड़े गए 10 हाईप्रोफाइल जुआरी, सराफा व्यापारी भी शामिल...1.55 लाख कैश बरामद

मुरादाबाद- मुरादाबाद। मुगलपुरा पुलिस ने जुआरियों के एक हाईप्रोफाइल गैंग को मौके से जुआ खेलते हुआ गिरफ्तार किया है। इसमें सराफा व्यापारी भी शामिल है। पुलिस ने मौके से 1.55 लाख रुपए भी रिकवर किए हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई थाना क्षेत्र की गणेश मोहल्ले में की है। पुलिस ने यहां सराफा व्यापारी अभिषेक रस्तोगी उर्फ विक्की के घर मंगलवार रात को छापा मारा। इस दौरान 10 लोग जुआ खेलते पकड़े गए। लेकिन, जुआ खिला रहा अभिषेक रस्तोगी मौके से भाग निकला। जबकि बाकी नौ लोगों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर का कहना है कि मौके से 1.55 लाख रुपए भी बरामद हुए हैं। पकड़े गए लोगों में सराफा व्यापारी और कई अन्य दुकानदार भी हैं। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर बुधवार को जेल भेजने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। थाना प्रभारी का कहना है कि जिस व्यक्ति के घर में जुआ खेला जा रहा था, वह घर के अंदर लगे दरवाज़े का फायदा उठा कर मौके से भाग गया। एफआईआर में उसे भी नामजद किया गया है।

पुलिस लाइन मुरादाबाद में आयोजित 41वीं उ0प्र0 पुलिस वार्षिक बैडमिंटन कलस्टर

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद (बैडमिंटन/टेबिल टेनिस) प्रतियोगिता वर्ष-2024卐 में जीआरपी लाइन मुरादाबाद में नियुक्त स्द्ध(.क्क) श्री दीन दयाल तिवारी ने बैडमिंटन सिंगल 50+ में प्रथम, बैडमिंटन डबल 55+ में प्रथम, बैडमिंटन डबल 45+ में द्वितीय, बैडमिंटन डबल 50+ में द्वितीय, टेबिल टेनिस सिंगल 50+ में प्रथम, टेबिल टेनिस डबल 40+ में प्रथम, टेबिल टेनिस सिंगल 40+ में तृतीय व टेबिल टेनिस डबल 50 में तृतीय स्थान प्राप्त कर जीते कुल 08 (04 गोल्ड, 02 सिल्वर, 02 ब्रॉन्ज) मेडल, मस्त्रक्कस्थहड्डुस्त्रड्डुड्डड्डुस्त्र श्री आशुतोष शुक्ला द्वारा उत्सहावर्धन हेतु 7000/- रुपये नगद धनराशि से किया गया पुरूस्कृत।

पीड़ित ने लगाई एसएसपी से गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

गांव के भूदेव सिंह पुत्र रामकिशोर सिंह के घर ब्याज के पैसो की उगाही करता था तथा मुंशी था और भूदेव के घर पर ही रहता था। सितम्बर माह में भूदेव सिंह किसी मुकदमे में जिला कारागार में था तब दिनांक-26.09.2024 को ही भूदेव की पत्नी श्रीमति स्नेहलता ने प्रार्थी के साथ मारपीट की और जाति सूचक शब्दो चमार कहकर अपमानित किया तथा प्रार्थी 6 माह का वेतन नहीं दिया और जान से मारने की धमकी दी तब इस कारण स्वयं गांव छोड़कर चला गया तब दिनांक-24.11.2024 को प्रार्थी की मोबाइल पर अपने सगे भाई विशेष से बात हुई तब भाई ने वा या कि भूदेव सिंह ने तेरे अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करा दी है तथा थाना पुलिस गाव के हो तेजपाल व हरस्वरूप व दायक व गौरव का परेशान कर ही है। तथ प्रार्थी अपने घर आया है। भूदेव सिंह ने बेगुनाह लोगो के विरुद्ध मुकदमा अपराध सं0-251/2024 थाना छजलैट पर दर्ज कराया है। प्रार्थी का नामित एफ0 आई0 आर0 व्यक्तियों ने अपहरण, नहीं किया है और न ही कोई अन्य घत्ना कारित की है। एफ0आई0 आर0 में नामित सभी व्यक्ति निर्दोष है। भूदेव से प्रार्थी को जान का खतरा है। भूदेव कभी भी प्रार्थी का कत्ल कर व करपा सकता है। अतः श्रीमान जी से प्रार्थना है कि प्रार्थी का साक्ष्य शपथपत्र मु0अ0सं0-251/2024 याना छजलैट की विवेचना का भाग बनाया जाक एफ0आई0आर0 में नामित सभी व्यक्तियों का बरी किया जाकर भूदेव के विरून कड़ी कार्यवाही कर है,

संक्षिप्त समाचार

पकौड़ी खाने साप्ताहिक बाजार में गए तीन बच्चे लापता

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस बच्चों तक पहुंचने में जुटी

मुरादाबाद- मूंढापांडे थाना क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार में पकौड़ी खाने के लिए निकले तीन बच्चे लापता हो गए। देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिवारवालों ने उनकी तलाश शुरू की। कहीं कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए लापता हुए बच्चों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही लापता तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर तीन बच्चों के लापता होने से परिवार वालों का बुरा हाल है। थाना मूंढापांडे के गांव मिलक मनकरा निवासी राजाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 15 साल का बेटा रोहिताश, 11 साल का भतीजा शिवम और 10 साल का बेटा कमल रविवार को गांव में ही लगने वाले रविवार के बाजार में पकौड़ी खाने के लिए निकले थे। देर रात तक तीनों वापस नहीं लौटे। जिसके बाद परिजनों ने रविवार के बाजार में भी जाकर जानकारी की। लेकिन कोई पता नहीं चला। रातभर लापता हुए तीनों बच्चों को परिवार वाले तलाश करते रहे। रिश्तेदारों के यहां भी तलाश किया। कहीं कोई जानकारी नहीं मिलने पर मूंढापांडे थाने आए। थाना मूंढापांडे प्रभारी निरीक्षक आरपी शर्मा ने बताया कि तत्काल गुमशुदगी दर्ज करते हुए लापता हुए बच्चों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए बच्चों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही सभी बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

संभल बवाल: उकसाने व साजिश रचने वालों की पहचान बहुत जल्द: मंडलायुक्त

मुरादाबाद- मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने कहा कि संभल बवाल में उकसाने और साजिश रचने वालों की पहचान बहुत जल्द होगी। जो भी कार्रवाई होगी साक्ष्यों पर आधारित होगी। मंडलायुक्त ने बताया कि संभल बवाल में अब तक 74 लोगों की पहचान साक्ष्यों के आधार पर की गई है। बवाल में शामिल आरोपियों में से 27 की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसमें तीन महिलाएं और तीन नाबालिग शामिल हैं। मंडलायुक्त ने कहा कि इस मामले में हर पहलू की जांच की जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस और सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी है। स्थिति तेजी से सामान्य हो गई है। लोगों से लगातार अपील की जा रही है वह किसी के बहकावे या कहने में न आएं। आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाए रखें। माहौल बिगाड़ने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि संभल प्रकरण में साजिश रचने और लोगों को उकसा कर उपद्रव कराने वालों की बहुत जल्द पहचान हो जाएगी। जन प्रतिनिधियों से भी अपील है कि वह माहौल को सामान्य होने में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि इस मामले में जो भी कार्रवाई होगी साक्ष्यों पर ही आधारित होगी। बिना साक्ष्य के कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

रैन बसेरों में सुविधाएं, फिर भी फुटपाथ पर खुले में रात बिता रहे निराश्रित

ठंड की रात में खुले आसमान के नीचे सोने वालों को रैन बसेरों में रात गुजारने को निगम के अधिकारी करेंगे प्रेरित

मुरादाबाद- कड़ाके की ठंड व शीतलहर से निराश्रितों, असहायों व गरीबों को बचाने के लिए नगर निगम की ओर से महानगर के विभिन्न हिस्सों में 11 स्थायी व अस्थायी रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं। इन रैन बसेरे में रात बिताने के लिए बिस्तर, रजाई, कंबल व अन्य प्रबंध निगम प्रशासन ने किया है। फिर भी फुटपाथ पर खुले में निराश्रित व असहाय लोग रात बिता रहे हैं। जानकारी के अभाव में यह खुले आसमान के नीचे पूरी रात ठिठुरने को विवश हैं। ठंड को देखते हुए निराश्रितों, असहायों व गरीबों को खुले आसमान के नीचे रात न बितानी पड़े इसके लिए नगर निगम की ओर से महानगर में 9 स्थाई और 2 अस्थाई रैन बसेरा संचालित हो रहा है। इसमें रेलवे स्टेशन, कुंदनपुर, हरथला जाटव बस्ती, हरथला गंगा मंदिर शेल्टर होम, दस सराय, काजीपुरा, कुंदनपुर में पुरुषों के लिए रैन बसेरा मऊ में स्थाई रुप से रैन बसेरे का संचालन शीतकाल में किया जा रहा है। इसके अलावा नया रोडवेज बस स्टेशन और पुराना बस अड्डा पर अस्थायी रैन बसेरा नगर निगम की ओर से संचालित हो रहा है। इन रैन बसेरे में आकर जरूरतमंद व निराश्रित लोग अपनी पहचान दिखाकर रात गुजार सकते हैं। लेकिन, अभी भी खुले आसमान के नीचे बहुत से निराश्रित रात बिता रहे हैं। इसके पीछे उन्हें इन रैन बसेरों के बारे में जानकारी न होने की बात सामने आ रही है। ठंड और बढ़ने पर जलेगा अलाव- नगर निगम प्रशासन ने कड़ाके की ठंड के दौरान महानगर के कई स्थानों पर अलाव जलवाने के लिए चिह्नित किया है। इसके लिए लकड़ी का प्रबंध भी किया जा रहा है। 4 दिसंबर को नीलामी के माध्यम से लकड़ी आपूर्ति के लिए फर्म का चयन किया जाएगा। इस बार अधिक लकड़ी का प्रबंध करने की बात नगर निगम प्रशासन कर रहा है। जिससे आखिर तक लकड़ी की कमी से अलाव जलाना प्रभावित न हो।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आठ महीने पहले चौकी चौराहा से हटाई गई नेहरू जी की प्रतिमा को रात नगर निगम द्वारा पुनः स्थापित करा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- जिला कांग्रेस कमिटी के अथक प्रयास के कारण आठ महीने पहले चौकी चौराहा से हटाई गई नेहरू जी की प्रतिमा को कल रात नगर निगम द्वारा पुनः स्थापित करा , जिलाध्यक्ष के नेतृत्व मे

चार क्रांतिकारी कोंग्रेसी,प्रदेश प्रवक्ता के. बी त्रिपाठी, दिनेश दद्दा, उल्फत सिंह ने अनसन किया था जिसमे दिनेश दद्दा जिलाउपाध्यक्ष ने सकल्प लिया था की जब तक प्रतिमा को पुनरस्तापित नही हो जाती जब तक. मे दाढ़ी नहीं बनाऊगा आज उनका संकल्प पूरा हैं अब वो दाढ़ी बनवा लेंगे ,जिलाध्यक्ष असफाक सक्लेनी ने कहा की सविधान दिवस की रात्रि को पण्डित जवहार लाल नेहरू जी की प्रतिमा को स्थापित करके नगर निगम प्रशासन ने सराहनीय कार्य किया जिसके लिये पुरे जिले के कांग्रेस कार्यकर्त्ता नगर निगम का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा की जिले के कांग्रेस पार्टी के हर कार्यकर्त्ता के बल प्रतिमा को नगर निगम द्वारा पुनः स्थापित किया गया वैसे तो प्रसाशन का इरादा नेक नहीं था,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल ने कहा की किसी सरकार को किसी भी पूर्व प्रदानमंत्री चाहे वो किसी भी पार्टी के हो हटाने की कोसिस नहीं करनी चाइये प्रदेश प्रवक्ता के. बी तिपाठी ने कहा की प्रतिमा का पुनः स्थापित होना सचाई की जीत होना हैं, प्रवक्ता पंडित राज़ शर्मा ने कहा की कोई भी सरकार हो किसी को भी किसी नेता का अपमान करने की चेस्टा नहीं करनी चाइये आज प्रतिमा लगते ही सभी कांग्रेस जन एवं चाचा नेहरू को चाहने वाले और सामाजिक संगठनों मे खुशी की लहर जागी, खुशी की लहर मे कॉग्रेस पार्टी व इंडिया गठबंधन पार्टयों के तमाम नेताओं विशेष कर समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष समीम सुल्तानी ने फूल माल्यार्पण करके जश्न मनाया मुख्यरूप से प्रवक्ता पण्डित राज़ शर्मा, उपाध्यक्ष जुनेद हसन एडवोकेट, महासचिव जिया उर रहमान,पूर्व पार्षद महेश पण्डित पूर्व महानगर अध्यक्ष क़ासिम कश्मीरी नवाब मुजाहिद हसन ,कमरुद्दीन सैफी,दिनेश दद्दा,योगेश जोहरी अनुज राठौड़, राजन उपाध्याय,महासचिव उल्फत सिंह, हाजी फहीम अंसारी , धीरज दीक्षित मोहमद जकी तीरथ कुमार डॉ सर्वत हुसैन मोबिन कुरैशी , विनोद कुमार सोनू लाल,अमित कश्यप, मैदान सहा, साकिर सक्लेनी हारुन अल्वी,इब्राहिम अल्वी डॉ अतीक नाहिद सुल्ताना पम्मी वार्षि गुड्डू खान महाराज महंत योगी विजयदेव नाथ आदि मौजूद रहे , प्रवक्ता पं राज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

गांव -गांव चौपाल लगाकर जगाई जा रही मिशन शक्ति अभियान की अलख -अरबिंद बाबू

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।कभी न्याय पाने को पुलिस, थानों के लगाने पड़ते थे चक्कर अब योगी बाबा की सरकार में न्याय व्यवस्था इतनी सुदृढ़ हो गई है। अब अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों को उनके हकों के लिए जागरूक कर रहे हैं। जिसके लिए मिशन शक्ति अभियान पेज 5 के अंतर्गत बुधवार को महिला सुरक्षा के लिए विशेष दल थाना हाफिजगंज ग्राम हर हरपुर मटकली में चौपाल लगाकर एस आई

अरविंद बाबू ने महिलाओं , बालिकाओं को जागरूक किया गया है। इस दौरान ऑपरेशन गरुड़, ऑपरेशन ,शील्ड, ऑपरेशन ,गेस्ट आए, ऑपरेशन, बचपन ,ऑपरेशन खोज ,ऑपरेशन मजनू, ऑपरेशन नशा मुक्ति, ऑपरेशन रक्षा ,ऑपरेशन ईगल ,के संबंध में बालिका और महिलाओं को जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं के बारे में पूछा ।महिलाओं के साथ मारपीट करना, बालिकाओं के साथ गुड -टच,बैड टच करना, लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करना, अभद्र टिप्पणी करना, अश्लील हरकतें करना, फोन कॉल मैसेज से ब्लैकमेल करना बारे में जागरूक किया। गया द्य तथा सरकार की योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कन्या सुमंगला योजना, मातृशक्ति वंदना योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, तथा आपातकालीन सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई । मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एंबुलेंस सहायता 108 स्वास्थ्य सेवा 102 पुलिस आपातकालीन सहायता हेल्पलाइन नंबर 112 आदि नंबरों के बारे में जानकारी दी। तथा थाने पर उपस्थित महिला हेल्प डेस्क व साइबर हेल्प डेस्क के बारे में बताया गया ।इस दौरान साकार एस आई अरविंद बाबू, साकार संस्था के रिजवान खान, कान्स्टेबल रूपदेई, मीनू सिंह आदि सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

जिलाधिकारी शामली की अध्यक्षता में जाम की समस्या के निस्तारण के संबंध में बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज सभी संबंधित अधिकारियों के साथ जनपद में जाम की समस्या के निस्तारण के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

आयोजित बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी शामली द्वारा तहसीलवार पीपीटी के माध्यम से जिलाधिकारी के समक्ष ट्रैफिक व्यवस्था का प्रेजेंटेशन किया गया। जिसमें अतिक्रमण टेंपों,ऑटो,गन्ना बुग्गी, बस स्टैंड,पार्किंग,आदि को लेकर जिलाधिकारी द्वारा एसडीएम/एआरटीओ/सीओ/ट्रैफिक इंस्पेक्टर/अधिशासी अधिकारियों को संयुक्त रूप से एक सप्ताह के अंदर ट्रैफिक प्लान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री राम सेवक गौतम ने चीनी मिल के अधिकारियों को गन्ने की ट्रैक्टर ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर लगाए जाने आदि हेतु कहा गया। बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित गोयल द्वारा शहर में ई-रिक्शा का रूट निर्धारित,शहर में मल्टीलेवल पार्किंग,शामली शुगर मिल से निकलने वाली छाई से निजात दिलाने की समस्या रखी जिसके समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी जगदेव सिंह, एसडीएम शामली हामिद हुसैन, एसडीएम ऊन अर्चना शर्मा, एसडीएम कैराना स्वप्निल कुमार यादव, सभी क्षेत्राधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रोहित राजपूत,ट्रैफिक इंस्पेक्टर,चीनी मिल के अधिकारी सहित सभी अधिशासी अधिकारी, व्यापार बन्धु के रूप में घनश्याम दास गर्ग आदि मौजूद रहें।

सेमिनार कार्यक्रम के तहत आज मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में सेमिनार कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- बरेली,सारथी एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा चलाया जा रहा संविधान जागरूकता अभियान के चलते आज शहर के मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में सेमिनार कार्यक्रम आयोजित

किया गया जिसमें लखनऊ हाईकोर्ट के एडवोकेट एस के रिजवी के नेतृत्व में सारथी एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्षा इमराना हुसैन ने मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं को भारत के संविधान की वो खुबियां समझाई जिससे छात्र छात्राओं का भविष्य उज्जवल होगा आज सारथी एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा सेमिनार कार्यक्रम में लखनऊ हाईकोर्ट के एडवोकेट एस के रिजवी ने छात्र छात्राओं को समझाया कि अगर आप लोग कोई भी संविधान विरोधी कार्य करते हैं तो उसमें किसी ओर का नुक़सान नहीं बल्कि आपका ही अपना नुकसान होता है क्योंकि जब हमे से कोई भी कानून को अपने हाथों में लेता है तो हमारा ही भविष्य बर्बाद होता है आज के सेमिनार कार्यक्रम में शामिल रहे फैजान,नदीम इकबाल, इमराना हुसैन, एडवोकेट एस के रिजवी मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के अध्यापक प्रदीप कुमार मिश्रा आदि सेमिनार कार्यक्रम के बाद सारथी एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा की गई प्रेसवार्ता में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए इमराना हुसैन ने कहा कि संविधान को हर हाल में बचाना है ।।

यूनिसेफ के भारत में 75 वर्ष पूरे होने पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई संगोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में आज बच्चों से जुड़ी प्राथमिकताएँ एवं उपलब्धियों पर एक मण्डल स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन मंडलायुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुआ। यह संगोष्ठी संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते (यूएनसीआरसी) के 35 वर्ष और यूनिसेफ के भारत में

75 वर्ष पूरे होने पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण और समावेशी विकास से संबंधित चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं की पहचान करना एवं लिंग और समानता जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतिम छोर के बच्चों के लिए परिणामों में तेजी लाने के लिए सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना था। मंडलायुक्त ने यूनिसेफ के भारत में 75 वर्ष योगदान के लिए बधाई देते हुए कहा कि卐यूनिसेफ द्वारा सतत रूप से बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट एवं विश्वसनीय फीडबैक दिया जाता है, जिससे प्रशासन को निर्णय लेने में सहायता होती है, यूनिसेफ एवं सम्बंधित विभाग आगे भी सक्रिय सहभागिता के साथ बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा के हित में कार्य करते रहें। यूनिसेफ द्वारा भारत में 75 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में मण्डल स्तरीय बैठकों का आयोजन प्रदेश के सभी 75 जनपदों के अधिकारियों के साथ किया जा रहा है। यह बैठकें बच्चों के प्रति प्रतिबद्धता को संगठित करने, अभिसरण करने और उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही हैं। संगोष्ठी में जिलाधिकारी बरेली रविन्द्र कुमार, जिलाधिकारी शाहजहांपुर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी पीलीभीत संजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी बदायूं निधि श्रीवास्तव, संयुक्त विकास आयुक्त प्रदीप कुमार पांडे, मुख्य विकास अधिकारी बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं, एडिशनल डायरेक्टर हेल्थ, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईसीडीएस, महिला एवं बाल कल्याण, पंचायती राज सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बरेली के जिला विज्ञान समन्वय को लखनऊ में किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। जानकारी के अनुसार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

बुधवार को अटल बिहारी वाजपई कन्वेंशन सेंटर लखनऊ में संपन्न हुई । कार्यक्रम का शुभारंभ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के राज्य मंत्री अजीत पाल सिंह , विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के महानिदेशक पनधारी यादव आई ए एस , सचिव शीलघर सिंह यादव आई ए एस , विज्ञान एवं प्रौद्योगि की संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक डा0 हुमा मुस्तफा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया ।राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में मंडल स्तर पर चयनित प्रथम द्वितीय तृतीय , दो सांत्वना पुरस्कार प्राप्त बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया 18 मंडल से 90 बाल वैज्ञानिकों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया । राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बस्ती के छात्र को मिला जिसने कबाड़ से मात्र ?15000 की लागत से बैटरी चालित मोटरसाइकिल बनाई। जिसकी अधिकतम रफ़्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा है इस मोटरसाइकिल की खास बात है कि इसे बनाने में 80त्र भाग कबाड़ से लिया गया है ।राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में बरेली के विष्णु इण्टर कॉलेज में तैनात उप प्रधानाचार्य,जिला विज्ञान समन्वय देवेन्द्र कुमार को विज्ञान के क्षेत्र में किए गए कार्य और योगदान के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत पाल सिंह, महानिदेशक पंधारी यादव आई ए एस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं सचिव शीलघर सिंह यादव आई ए एस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने प्रमाण पत्र व स्मृति पत्र देकर सम्मानित किया ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शामली जिलाधिकारी से महिला सभासदों ने लगाई सुरक्षा की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। नगर के आधे दर्जन सम्मानित चरित्रवान सभासदों की धर्मपत्नियों एवम् परिजनों ने अध्यक्ष मोहदय द्वारा कथित फेब्रिकेटेड बनाने वाले एवम् वायरल करने वालों की जांच के उपरांत अध्यक्ष मोहदय श्री अरविंद संगल जी

के व्हाट्सएप काल, व्हाट्सएप चैटिंग, वाइस काल की निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई जिससे इस नगर के सबसे दमदार सबसे ताकतवर सबसे ईमानदार सबसे चरित्रवान के विरुद्ध 19 सभासदों में से किस विभीषण द्वारा ऐसा कृत्य किया गया जबकि जनता जनार्दन की चर्चा के अनुसार अध्यक्ष मोहदय 7 लाख रुपए का पैकेज भी दे चुके थे और उसके उपरांत भी वीडियो वायरल किया गया हम जांच की मांग करते हैं।

पुण्य तिथि पर याद किए गए ज़िला पंचायत अध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज के संस्थापक

एवं प्रबन्धक एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद की 23 वीं पुण्यतिथि बड़े ही श्रृद्धाभाव से मनाई गई।सर्व प्रथम उनके चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित किए गए। प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह ने श्री सिंह के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा वे एक समाजसेवी, दूरदर्शी कुशल राजनेता थे।वे सदैव शिक्षा पर बल देते थे।उनका मानना था संसार में ज्ञान ही ऐसी ताकत है। जो आपके कल को बेहतर बनाने के साथ ही सम्मान दिलाता है।हम सबको उनके बताए नेक मार्ग पर चलना चाहिए।इस मौके पर डॉ हरमीत सिंह, रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार वरिष्ठ प्रवक्ता राजपाल, डॉक्टर राजेश कुमार गंगवार, डॉक्टर सर्वेश कुमार, रामसिंह, लोकेश कुमार,ब्रजेश शर्मा, वरूण वर्मा, बन्दना यादव, गिरिजेशबाला, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

इस पुण्य धरा पर स्वप्न में भी सब कुछ दान कर दिया सत्यवादी महाराजा ने-संध्या किशोरी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के झलरापीपल मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को शास्त्री संध्या किशोरी जी सत्यवादी महाराजा हरिश्चंद्र की कथा का प्रसंग सुनाया। उन्होंने स्वप्न में ही सबकुछ दान कर दिया था।जिसे पूरा करने के लिए पत्नी - पुत्र सहित सभी को बेंच कर गुरू दक्षिणा दी।कथा सुनकर श्रृद्धालु भाव-विभोर हो गये।इस मौके पर महन्त तुलसीदास जी महाराज, मोहनदास, सर्वेश साहू, राजीव उर्फ़ लवकुश साहू लोकेश गुप्ता मयंक पाण्डेय रमेश वर्मा सहित भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

10 साल से टूटी पुलिया की मरम्मत नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती तुलसीपुर के चंदरखा बुजुर्ग के पास बनी नहर पुलिया 10 साल पहले टूट गई थी। लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई जा सकी। इससे टूट्टी पुलिया से लोग निकल रहे हैं। वहीं गिरंट क्षेत्र के

पिपराहया गांव के पास पुलिया टूट गई है। इसके कारण आए दिन दुर्घटना होती राहती है। लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विकास क्षेत्र गिलौला के चंदरखा बुजुर्ग के पास माइनर नहर पर पुलिका का निर्माण कराया गया था। मुख्य मार्ग पर न होने के बाद भी इस पुलिया से चार गांवों के लोगों का मुख्य मार्ग तक पहुंचने का रास्ता है। 10 साल पहले वर्ष 2014 में नहर में आई बाढ़ के कारण पुलिया का कुछ हिस्सा धस गया था। इसके कारण पुलिया टूट कर आधा गिर गई। गिर गई पुलिया को तुलसीपुर के पास टूटी नहर की पुलिया। टूटी पुलिया से दुर्घटना होने की आशंका बढ़ी हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के पिपरहवा गांव के पास सड़क पर बनी पुलिया का कुछ हिस्सा टूट कर गिर गया है। इसके कारण पुलिया में बड़ा छेद ही गया है। इसके कारण दुईटना होने की आशंका बनी रहती है। बहाव होने के कारण साइकिल और बाइक का पहिया फंस जाता है और दुर्घटना हो जाती है। स् इसके कारण लोगों को इसी टूटी पुलिया से होकर आना जाना पड़ता है। साइकिल और बाइक सवारजान जोखिम में डाल कर आते जाते हैं। इस मार्ग से स्कूली बच्चों को स्कूल आना जाना पड़ता है। गिरंट क्षेत्र के पिपरवा के पास टूटी सड़क को पुलिया। चंदरखा बुजुर्ग में नहर पुलिया टूटी है, पुलिया निर्माण के लिए दिए गए थे। लेकिन पुलिया अभी तक ठीक नहीं कराई गई। इसके लिए शासन को पत्र लिख कर पुलिया ठीक कराई जाएगी। इसके साथ ही जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कराई जाएगी। ट्रैक्टर व अन्य चौपहिया वाहनों को करीच पांच किलोमीटर दूरी तय करके आना जाना पड़ता है। 10 साल बाद भी इस पुलिया को ठीक कराने के लिए जिम्मेदार लोगों का ध्यान नहीं गया है।

शादी समारोह के दौरान युवक ने दुल्हन पर चाकू से जानलेवा हमला

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

शामली, कैराना। एक दिन पूर्व मुजफ्फरनगर के होटल में शादी समारोह के दौरान दुल्हन को चाकू मारकर घायल करने के विरोध में कैराना कस्बे की दर्जनों दुकानें बंद रही। कस्बे के व्यापारियों एवं गणमान्य लोगों ने पीड़ित व्यापारी के घर पहुंचकर अपनी सहानुभूति व्यक्त की। आरोपी युवक व घायल युवती का परिवार कैराना कस्बे का निवासी है। कस्बे के मोहल्ला राजेन्द्र कॉलोनी निवासी रामकुमार सिंघल की पुत्री शिवानी की शादी जनपद सहारनपुर के देवबंद निवासी युवक से होनी तय हुई थी। विगत सोमवार को दोनों परिवार जनपद मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थानाक्षेत्र के दिल्ली-देहरादून हाइवे पर स्थित एक होटल में शादी के लिए पहुंचे हुए थे। इसी दौरान होटल के कमरे में बैठी दुल्हन शिवानी को एक युवक ने चाकू से

वार करके गम्भीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी ने युवती के चेहरे पर वार किया था, जिससे वह लहूलुहान हो गई थी। दुल्हन के शोर मचाने पर परिजनों ने आरोपी युवक को दबोच लिया। परिजनों ने आरोपी युवक को पिटाई के बाद पुलिस की सौंप दिया था। बाद में घायल युवती के भाई शुभम सिंघल की ओर से मंसूरपुर थाने में कैराना कस्बे के मोहल्ला आलकलां निवासी दीपक, उसके पिता अनिल गुप्ता तथा माता अंजली देवी के खिलाफ घटना का मुकदमा दर्ज कराया गया। उधर, मंगलवार को घटना के विरोध में कस्बे के बाजार बेगमपुरा, चौक बाजार व शामली बस स्टैंड के दर्जनों व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी। प्रातः करीब दस बजे से लेकर ग्यारह बजे तक दुकानें बंद रही। इस दौरान दुकान बंद करने वाले व्यापारी पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे तथा अपनी सहानुभूति प्रकट की। व्यापारियों के अलावा कस्बे के गणमान्य लोग तथा वैश्य वर्ग के लोग भी पीड़ित व्यापारी के आवास पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने पीड़ित परिवार को हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व नपा चेयरमैन राशिद अली व भाजपा नगराध्यक्ष अतुल मित्तल, प्रदीप गोयल, अनुज मित्तल, अमित गर्ग, वरुण सिंघल, संजय राजपूत, शिवकुमार, रणवीर, सागर मित्तल, डिंपल गर्ग, शिवम गोयल, रमेशचंद, रुचिन, पंकज, इरफान, सलमान, खालिद, मोबिन, अनिल गोयल आदि मौजूद रहे।

पंखा ठीक न करने पर इलेक्ट्रिशियन व साथी पर जान लेवा हमला, गम्भीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

शामली, कैराना। घर पर लगा पंखा ठीक करने से मना करने पर बौखलाए युवक ने अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ मिलकर इलेक्ट्रिशियन व उसके साथी को लोहे की रॉड से हमला करके

गम्भीर रूप से घायल कर दिया। मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गई है। क्षेत्र के गाँव तितरवाड़ा निवासी अनवर ने कोतवाली पर तहरीर दी है। बताया कि उसने गांव में स्थित मुख्य बस स्टैंड पर इलेक्ट्रिशियन की दुकान कर रखी है। मंगलवार प्रातः करीब दस बजे वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव का ही एक युवक वहां पहुंचा तथा उसके घर पर लगे पंखे को ठीक करने को कहा। लेकिन उसने घर जाकर पंखा ठीक करने से मना कर दिया। आरोप है कि इस पर युवक आग बबूला हो गया और अंजाम भुगतने की धमकी देते हुए वहां से चला गया। कुछ देर बाद आरोपी युवक अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ दोबारा उसकी दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौच करते हुए लोहे की रॉड से उस पर हमला बोल दिया। लोहे की रॉड उसके सिर में घुस गई। चींख पुकार सुनकर उसका पड़ोसी दुकानदार अरशद बीच-बचाव करने को आया तो आरोपियों ने उस पर भी हमला बोल दिया, जिसमें वह भी गम्भीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने हमलावरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

धोखाधड़ी व जालसाजी करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती।पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी इकौना श्री आलोक कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दुबे थाना इकौना मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 321/2024 धारा

316(2),318(4),352,351(3) बी0ए0एस0 मे वांछित अभियुक्त उमीर अहमद पुत्र मुमताज निवासी डफालीपुरवा दा0 चिचड़ी थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को थाना गेट से गिरफ्तार किया गया। अवधेश कुमार तिवारी पुत्र माता प्रसाद तिवारी निवासी सोनरई थाना इकौना जिला श्रावस्ती 1450000/- रुपये (चौदह लाख पचास हजार) को विपक्षीगण 1.उमीर अहमद पुत्र मुमताज निवासी डफाली पुरवा दा0 चिचड़ी थाना इकौना जिला श्रावस्ती 2. समी उर्फ सिर्री पुत्र मुमताज निवासी टण्डवा महन्थ थाना इकौना जिला श्रावस्ती 3. इमरान पुत्र उमीर अहमद निवासी डफाली पुरवा दा0 चिचड़ी थाना इकौना जिला श्रावस्ती द्वारा अपना मकान व जमीन बेचने के नाम पर वादी अवधेश तिवारी व जगदेव पुत्र मेवालाल निवासी परसौरा माफी थाना इकौना जिला श्रावस्ती से 1100000/- रुपये (ग्यारह लाख रुपये) कुल 25,50,000/- रुपये एक ही जमीन व मकान के बिक्री हेतु जालसाजी कर ले लेना व वापस मांगने पर नहीं देने तथा पैसा मांगने पर भद्दी भद्दी गाली देने व जान मारने की धमकी देने पर वादी मुकदमा द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत किया गया था। जिसमें अभियुक्त उमीर अहमद पुत्र मुमताज निवासी डफालीपुरवा दा0 चिचड़ी थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । शेष अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु टीमें लगा दी गयी हैं।

पढ़ाई लिखाई कर बच्चे भविष्य में बनेगें सविंधान के रक्षक - राशिद मलिक

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली, जलालाबाद। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रविन्द्र प्रधान जोगी के नेतृत्व में संविधान दिवस के अवसर पर अल्फलाह अकेडमी (स्कूल) जलालाबाद शामली के प्रधानाध्यापक फिरोज

खान, निर्देशक कारी अजमल साहब, अध्यापक शेरखान, मौलाना इसराइल, अध्यापिका सोनिया खान, हुमेरा खान, बालक बालिका मोहिन, सारा मलिक, शुऐब, अरहम, अब्दुल आहद, सालिहा, सोफिया, सामिया, उजैफ, हारिश, हुजैफा, सहित एकेडमी के सभी 105 बच्चों को सम्मानित किया गया !! राशिद मलिक (जिला सचिव पिछड़ा वर्ग सपा शामली) द्वारा भारतीय संविधान की पुस्तक स्कूल के प्रधानाध्यापक फिरोज खान को भेंट की गयी व स्कूली बच्चो को कॉपी, पैन स्टेशनरी देकर सम्मानित कर संविधान के प्रति जागरूक किया गया, सपा के प्रदेश सचिव रविन्द्र प्रधान जोगी ने सविंधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर की तस्वीर स्कूल प्रबंधन कमैटी को भेंट की, सपा की मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष इकराम राव ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की तस्वीर भेंट कर सविंधान के प्रति व्याख्या की, मो0 हम्माद (नगर अध्यक्ष) एवं समाजसेवी नसीम राही ने बच्चों को पुष्पमाला पहनाकर कर देश के भविष्य बनकर सविंधान की रक्षा के कवच बताये, इस अवसर पर निन्ना मलिक, कालू खाँ, इरशाद मनिहार, शौकीन अब्बाशी, वसीम मलिक आदि सपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

सैटेलाईट से प्राप्त हुई सूचना के आधार पर कृषक द्वारा खेत में गन्ने की पत्ती जलाये जाने पर योजनाओं से होना पडेगा वंचित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। उप कृषि निदेशक, शामली प्रमोद कुमार द्वारा समस्त कृषक भाईयो को सूचित किया जाता है कि जनपद में अब तक 31 घटनाऐ सैटेलाईट के माध्यम से प्राप्त हुई है 05 घटना पराली जलाये जाने, गन्ने की पत्ती जलाये जाने की 02 घटनाऐ, 09 घटना कूडा अवशेष जलाये जाने एवं 15 घटनाओं की पुष्टि नहीं हुई है। सम्बन्धित कृषको से जुर्माने की धनराशि रू0-15000.00 वसूली की जा चुकी है

तथा कृषि विभाग एवं गन्ना विभाग की कई सुविधाओं से भी वंचित किया जा रहा है। जिसमें कृषक शिव कुमार पुत्र सीताराम निवासी ग्राम-तितरवाडा द्वारा खेत में गन्ने की पत्ती को जलाया गया है, जिसमें कृषक पर धनराशि रू0-5000.00 का जुर्माना तहसीलदार कैराना द्वारा अधिरोपित किया गया है।

जुर्माने की धनराशि-5000.00 (रू0 पाँच हजार मात्र) कृषक से वसूल कि जायेगी। समस्त कम्बाईन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि कम्बाईन से धान की कटाई करते समय अनिवार्य रूप से एस0एम0एस0 का प्रयोग करना सुनिश्चित करे कोई भी कम्बाईन हार्वेस्टर स्वामी बिना एस0एम0एस0 के धान की कटाई करते हुए पाया जाता है

तो उसको तुरन्त सीज करने की कार्यवाही की जायेगी। कृषि निदेशालय, उ0प्र, कृषि भवन, लखनऊ से प्राप्त निर्देशों के क्रम में कृषि विभाग द्वारा जनपद-शामली को 10000 बायो डीकम्पोजर का लक्ष्य प्राप्त हुआ था

जिसके सापेक्ष 50000 बायो डि कम्पोजर दिनांक 25.11.2024 तक जनपद में नि:शुल्क वितरण कर दिये गये है। जनपद के समस्त कृषक भाईयों/बहनों को सूचित किया जाता है कि अपने से सम्बन्धित राजकीय कृषि बीज गोदाम से बायो डीकम्पोजर नि:शुल्क प्राप्त कर फसल अवशेष पर डीकम्पोजर का प्रयोग कर फसल अवशेष को डीकम्पोज कर कार्बनिक खाद में परिवर्तित करें। जनपद के समस्त कृषक बन्धुओ से अपील है कि अपने खेतों में फसल अवशेष/कूड़ा करकट को कदापि न जलाया जाये बल्कि डी कम्पोजर का प्रयोग कर फसल अवशेष का प्रबन्धन करे साथ ही खेत की उर्वरा शक्ति बढाये एवं पर्यावरण को हो रही क्षति से बचाये। ''जन-जन की है यही पुकार नहीं जले पराली/पत्ती इस बार''

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

किसानो को खाद नही दे पा रही है योगी सरकार- हरिओम उपाध्याय

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री समाजवादी पार्टी ने सीनियर नेता पं हरिओम उपाध्याय ने पत्रकारो को बताया है की उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मे किसान बहुत ज्यादा परेशानी मे जी रहे है और

को खाद बीज बिजली समय मिल रही है लिये तो काफी परेशान यह है की को डीएपी और लिए चक्कर कि सानो पानी और से नही खाद के कि सान है हालत कि सानो यूरिया के लगाने पड़ रहे खाद की कमी को लेकर किसानो को पुलिस की लाठिया खानी पड़ रही इसके, बाद भी खाद नही मिल रही किसानो को यह खाद महंगे रेट मे बो भी ब्लेक मे मिल रही है और इस सरकार मे बीज भी सही समय पर नही मिल पा रहा है किसानो को खेतो मे पानी नही मिल रहा है बिजली की सप्लाई ठीक ढंग से नही दी जा रही किसानो के खेत को अगर समय पर पानी बीज खाद नही मिलेगा तो किसान भूखे मर जायेंगे और परिवार को चलाने के आखिर क्या करेगे उन्होंने कहा की प्रदेश मे किसानो की हालत बहुत खराब है और सरकार कुछ नही कर रही है इस अवसर पर पार्टी के नेता महाराज सिंह मंत्री धनौरा सभासद माधव यादव शांतनु यादव नवेंदु उपाध्याय सहित कई पार्टी जन मौजूद रहे

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जनपद के नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र अंतर्गत कटरा बाजार में जिलेदार पुत्र राम लखन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक 38 वर्षीय जिलेदार पुत्र राम लखन कि अचानक हालत नाजुक हुई जिन्हें इकौना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक के मौत की सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से पूरे परिवार में मातम छाया हुआ है।

मल्हीपुर चौराहे पर अतिक्रमण को पुलिस ने हटवाया

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत मल्हीपुर चौराहे पर पी डब्लू डी रोड के कि नारे पटरी पर ढा ब ली रखकर वह ठे ला लगाक र अतिक्रमण करने वाले

को थाना प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर ने तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण

हटाने का निर्देश दिया और बताएं कि तत्काल प्रभाव से रोड के पटरी से आतिक्रमण हटा ले जिससे दुर्घटनाएं ना हो और ट्रैफिक भी जाम ना हो छोटे बड़े वाहन व पैदल चलने वालों को कोई परेशानी न हो इस संबंध में रोड के पटरी पर सभी अतिक्रमण करने वालों को तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया ।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

OWN STATE

www.knlslive.com

28 November 2024

महाविद्यालय का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कांतिपुर में आरंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन का शुभारंभ शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहार पुर के द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कांतिपुर ग्राम पंचायत कांतिपुर में मनोहर सिंह सरपंच ग्राम पंचायत कांतिपुर के मुख्य आतिथ्य में , शाला के प्रधान पाठक भागवत सिंह धुर्वे और

उप सरपंच रामप्रताप विश्वकर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में, महाविद्यालय के प्राचार्य जे आर पैकरा के अध्यक्षता में और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के संचालन ,उनके देखरेख और दिशा निर्देश में आगाज हुआ, सर्वप्रथम माता सरस्वती देवी और युवा आईकॉन विवेकानंद जी के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया, इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र जायसवाल के द्वारा सात दिवसीय शिविर का सूक्ष्म प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, तत्पश्चात प्राचार्य के द्वारा अपने उद्बोधन में सात दिवसीय विशेष शिविर के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किया गया, इसी कड़ी में आगे मुख्य अतिथि के द्वारा रासेयो के सात दिवसीय विशेष विशेष शिविर अपने ग्राम पंचायत के विद्यालय में होने से प्रफुल्लित महसूस करते हुए अपने विचार शिवरार्थियो के लिए दिया गया। विशिष्ट अतिथियों में बिहार पुर मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक मल्होत्रा जी आनंद पाठक रामेंद्र पाठक जी उपस्थित रहे। सभी ने इस विशेष सिविर को लेकर उत्साह जताते हुए ग्रामीण परिवेश में राष्ट्र सेवा के लिऐ छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके शिविर के सफल संचालन के लिए कार्यक्रम अधिकारी जायसवाल जी को बधाई देते हुए अपने-अपने विचार रखे, इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं के अलावा महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण कर्मचारी गण कांतिपुर मा. शाला के सभी कर्मचारी गण छात्र-छात्राएं और ग्राम पंचायत कांतिपुर के आम जनता की उपस्थिति रही । इस सात दिवसीय विशेष शिविर में सभी छात्र-छात्राएं आवासीय रूप में रहकर ग्राम पंचायत कांतिपुर के गांव में जा जाकर प्रभात फेरी के माध्यम से आम जनता को जागरूक करेंगे नशा मुक्ति अभियान चलाएंगे स्वच्छता अभियान चलाएंगे स्वास्थ्य संबंधी अभियान को आगे बढ़ाएंगे और भ्रूण हत्या न हो, के बारे में बताएंगे, इन्हीं सब उद्देश्यों को लेकर के छात्र-छात्राओं में स्वावलंबन की भावना को प्रेरित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर 7 दिन रहेगा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ आज किया गया है। जिले में इससे सफल क्रियान्वयन व सम्पादन हो इसके लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम और इसके दुष्परिणामों के प्रति समुदाय को जागरूक करना था। बाल विवाह से संबंधित कानून व रोकथाम के विषय पर जानकारी देने व चर्चा हेतु युनिसेफ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती चेतना देसाई व राज्य सलाहकार श्री अभिषेक त्रिपाठी बैठक में उपस्थित हुए थे। बाल विवाह कुरूति पर अंकुश लगाने के लिए घटनाओं की प्रभावी रिपोर्टिंग व जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वृहद चर्चा की गई। कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से युद्ध स्तर पर कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम कराने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होने बाल विवाह की रोकथाम और इसके दुष्परिणामों के प्रति समुदाय को जागरूक करने की बात को प्राथमिकता देने की बात कहीं। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और ग्राम पंचायतों में विशेष बैठकें आयोजित होंगी।

इन बैठकों के माध्यम से समुदाय को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन और अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जाएगा। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के प्रमुख लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों को इसमें शामिल करने की योजना है। बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और पंचायतों के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन और महिला बाल विकास विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल एक कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल,डी डी पंचायत श्री ऋषभ सिंह, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम, यूनिसेफ़ के जिला समन्वयक श्री प्रथमेश मानेकर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत सोनगरा के मिडिल स्कूल में छात्राओं को शौचालय के शत प्रतिशत उपयोग और साफ सफाई व्यवस्था बनाये रखने हेतु किया गया प्रेरित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के निर्देशानुसार विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सोनगरा के मिडिल स्कूल प्रांगण में छात्र-छात्राओं को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चश्मा बना कर शौचालय के शत प्रतिशत उपयोग

करने और साफ सफाई व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया तथा साथ में व्यक्तिगत शौचालय एवं सामुदायिक शौचालय का संचालन सही तरीके से उपयोग करने का तरीका भी बताया गया खाना खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने हेतु बताया गया। घर-घर कचरा संग्रहण हेतु स्वच्छा ग्राही दीदी को स्वच्छ भारत मिशन के क्लस्टर कोऑर्डिनेटर संजय जायसवाल के द्वारा यह प्रेरित किया गया कि आप अपने ग्राम पंचायत के अंदर आने वाले सभी घरों में कचरा कलेक्शन का काम करना है इस कचरा कलेक्शन करने से महिलाएं प्रेरित हुए और ज्यादा से ज्यादा घरों में कचरा संग्रहण का काम किया जाएगा जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सके स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम बनाने में अपना बहुमूल्य समय देकर स्वच्छता श्रम दान कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। साथ ही जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत केशवपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के द्वारा सामूहिक ''हाथ धुलाई'' का कार्यक्रम किया गया। जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक गण व स्वच्छ भारत मिशन से कलस्टर समन्वयक शामिल थे। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत शौचालय का शत प्रतिशत उपयोग करने और शौच से पहले अच्छे से साबुन से हाथ धोने और खाना खाने से पहले हाथ धोने ,साफ़ सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। साथ में सामुदायिक स्वच्छता पर हर घर शौचालय घर घर शौचालय की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी गई।

उद्यमिता जागरूकता शिविर ''स्वालंबन'' में नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के संबंध में दिया गया जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासकीय पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय, भैयाथान में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को नवीन उद्योग स्थापना एवं स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहन हेतु विभागीय योजनाओं की

जानकारी देने के लिए एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर स्वालंबन का आयोजन जिला प्रशासन के तत्वाधान में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा किया गया, जिसमें शासकीय महाविद्यालय, भैयाथान के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना और नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के संबंध में जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा विस्तार से दिया गया । इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सूरजपुर के प्रबंधक श्री अवधेश कुमार कुशवाहा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30, नवीन उद्योग स्थापना, लायसेंसिंग प्रकिया और विभागीय सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया गया। चार्टर्ड एकाउण्टेंट श्री हिमांशु अग्रवाल द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, आयकर एवं वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत जानकारी दी गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री रंजीत कुमार सतपुते द्वारा योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार स्थापना हेतु छात्र-छात्राओं प्रोत्साहित किया गया। भारतीय स्टेट बैंक, भैयाथान के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा बैंक ऋण प्रक्रिया की जानकारी दिया गया। इसके अलावा श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल, सफल उद्यमी एवं श्री भोलेनाथ अग्रवाल, सफल उद्यमी द्वारा उद्योग को सफल संचालन के लिए टिप्स दिये। इस स्वावलंबन शिविर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सूरजपुर के सहायक प्रबंधक, श्री संजय लकड़ा, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री हुलेश मांझी, श्री अर्पण कुमार, श्री चोलसाय चेरवा, श्री रामकुमार, डॉ0 रविशंकर चौहान, श्री अजय कुमार एवं अतिथि व्याख्याता श्री कमलेश, श्री हमीसिंह, श्री रामसाय, श्री श्रवण कुमार, आशा किरण तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे । कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया ।

मजदूरों की 18 नवंबर से हड़ताल जारी, नहीं निकला कोई हल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर में लॉयड इंशुलेशन कंपनी के 39 मज़दूर बिना वजह नौकरी से निकालने का आरोप लगाते हुए भूख हड़ताल पर बैठे हैं.। मज़दूरों

ने कंपनी प्रबंधन से लेकर लेबर ऑफ़िसर और लेबर कमिश्नर तक शिकायत की है। लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही।मज़दूरों ने बताया कि कंपनी से अचानक निकालने से उनके परिवार में रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मकान की किस्त, बच्चों की फीस, गाड़ी की किस्त भरने एवं इस उम्र में कौन नौकरी देगा आदि समस्या इन श्रमिकों के आगे खड़ी हो गई। श्रमिक भूख हड़ताल पर है उनकी हालत भी खराब हो रही है। श्रमिकों में मुख्य रूप से रवि कुमार प्रकाश प्रजापति राजेंद्र प्रसाद मिश्रा राम ललित प्रसाद चेतनाथ सिंह बद्री सिंह सिसोदिया पप्पू कुमार पप्पू सिंह सिसोदिया राममिलन यादव राम सुजान सिंह विजय पाल विश्वकर्मा छोटेलाल विश्वकर्मा रामलाल विश्वकर्मा दिलीप सिंह शत्रुघ्न विश्वकर्मा संतोष पटेल शंभू कुमार शर्मा सुरेंद्र सिंह मोहन प्रसाद गुप्ता कन्हैया प्रसाद गुप्ता मनोज कुमार पांडे मुन्ना सिंह योगेंद्र सिंह परिहार मनोहर यादव विनोद विश्वकर्मा हरिलाल प्रसाद एनडी तिवारी उमाशंकर यादव सुरेंद्र ओसवाल अनिल कुमार सिंह अरुण सिंह भरत सिंह सिसोदिया अरविंद कुमार सिंह सुनील पांडे जोगेंद्र यादव बंशीलाल चौधरी मुकेश चौधरी नंदलाल विश्वकर्मा आदि भूख हड़ताल कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

एकलव्य स्कूल में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर तक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदित जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2024 तक ही होगी। ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया 11 नवम्बर 2024 से ही शुरू है। ऑनलाइन भरे गए फॉर्म में त्रुटि सुधार हेतु 11 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2024 तक ही किया जाएगा। चयन परीक्षा का आयोजन 19 जनवरी 2025 को निर्धारित है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विभागीय वेबसाईट www.eklavya.cg.nicपर अवलोकन किया जा सकता है।

मीडिया और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए पत्रकार बंधुओं के साथ आयोजित की गई प्रेस कांफ्रेंस

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन व एसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर की उपस्थिति में जिले के पत्रकार बंधुओं के साथ प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था। जिसमें पत्रकार बंधुओं से परिचय प्राप्त कर, जिले के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन एक टीम के रूप में संगठित होकर उत्कृष्टता व गुणवत्ता के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और शासन के मंशानुरूप राज्य व केंद्र शासन के योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहा है। जिले के विकास के लिए क्या-क्या सकारात्मक कदम उठाये जा सकते हैं इस पर गहन चर्चा की गई व आपसी मीडिया और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर पत्रकार बंधु व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कारागार में विभिन्न बैरकों, अस्पताल, रसोई घर आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

निरीक्षण के दौरान मा0 प्रभारी मंत्री जी ने जेल अधीक्षक और अन्य अधिकारियों से चर्चा की और कैदियों की स्थिति और जेल में चल रहे सुधारात्मक कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने जेल परिसर में साफ-सफाई, कैदियों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कैदियों से भी सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कैदियों से जेल के भीतर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने जेल में चल रहे विभिन्न सुधारात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। इनमें कैदियों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम और शिक्षा से संबंधित गतिविधियां शामिल थीं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम कैदियों के पुनर्वास और समाज में फिर से एक नई शुरुआत करने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने कैदियों को समय-समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और उनकी मानसिक स्थिति को सुधारने के लिए परामर्श सेवाएं बढ़ाने पर जोर दिया। निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं, साथ ही जेल की साफ-सफाई बनाये रखने व जेल में निरुद्ध कैदियों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जेल सिर्फ सजा का स्थान नहीं है, बल्कि सुधार का केंद्र भी है। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि सरकार जेलों में कैदियों के लिए मानवीय और सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कैदियों को बेहतर माहौल प्रदान करना न केवल उनके जीवन में बदलाव लाएगा, बल्कि समाज में अपराध की पुनरावृत्ति को भी रोकने में मदद करेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री का प्रवेश न हो, उन्होंने इस सम्बंध में रोस्टर बनाकर प्रतिदिन जांच-पड़ताल करने का भी निर्देश दिया ताकि जेल में किसी भी प्रकार की अनियमितता का सामना न करना पड़े।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, ब्लाक प्रमुख जालौन, जिलाधकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार मौजूद रहे।

Aloo-Matar ki crunchy kachori tastes delicious in winters, make it quickly with this easy recipe and eat it

You must have eaten many types of kachoris till now, but tell me have you ever tasted the crispy Aloo-Matar Kachori? If not, then this article is for you only. Yes, here we have brought a special recipe for making it for you, after trying it, you will be forced to lick your fingers. Many people like to have hot breakfast in winters. Eating kachori in breakfast is the favorite food of many people. You can try the crispy Aloo-Matar Kachori in breakfast. Crispy and delicious Aloo-Matar Kachori is not only amazing in taste, but it is also not difficult to make. Here we have brought such a recipe for you which even a beginner can follow easily. From morning breakfast to light hunger in the evening, you can enjoy these kachoris. The most special thing is that once you make them, you can easily store them for a week or fifteen days. They are prepared quickly with the ingredients available at home and the taste is such that everyone will keep licking their fingers. Let's quickly note down their easy recipe. Ingredients for making Aloo-Matar Kachori For the dough: 2 cups wheat flour 2 tablespoons desi ghee 1/2 teaspoon celery Salt according to taste Water (for kneading the dough) For stuffing: - 2 large potatoes (boiled and mashed) 1 cup peas (boiled) 1 teaspoon asafoetida 1/2 teaspoon turmeric powder 1/2 teaspoon coriander powder 1/4 teaspoon red chili powder 1/4 teaspoon garam masala Salt according to taste Green coriander (finely chopped) Oil (for frying) Method of making Aloo-Matar Kachori First of all, put flour, ghee, celery and salt in a large bowl and mix well. Add water gradually and knead soft dough. Cover the dough and keep it for 30 minutes. Now heat oil in a pan and add asafoetida to it. Put boiled potatoes and peas in the pan and mix well. Add turmeric powder, coriander powder, red chili powder, garam masala and salt and mix well. Add green coriander to it and mix. Then make small balls of the kneaded dough. Roll each ball thinly with a rolling pin. Place the filling in the center and fold the edges to give it a round shape. Press the edges with tongs to seal well. Now heat oil in a pan. Fry the kachori on low flame till it turns golden. Remove on paper towel and remove extra oil. Serve potato-pea kachori hot with curd, green chutney or sweet chutney. You can also have it for breakfast or evening snack with tea. Special Tips- You can also add other vegetables like carrots, mushrooms etc. as per your choice in the stuffing. To make the kachori more crispy, you can also add a little semolina to the dough. If you want to make kachori in less oil, you can also bake it in the oven. You can make kachori in advance and store it in the freezer and eat it by heating it whenever you want

Do you also feed fruits to your pet dog, then know which fruits are best for them

Feeding fruits to pet dogs (Fruits For Dogs) can be beneficial for their health, but it is important to pay attention to the right fruit and quantity. On the one hand, fruits like apple, banana, watermelon, blueberry, orange, papaya and pear provide nutrition. On the other hand, fruits like grapes, raisins and avocado can act as poison for dogs. Let's know. Many people offer fruits to their pet dogs. Not every fruit is beneficial for pet dogs. You can give fruits to pet dogs only as a treat. Pet dogs are the best companions for loneliness. Their loyalty and love make life happy. They give unconditional love, stay with us, along with this their innocence and mischief keep the home environment positive. But do you know that feeding some fruits to pet dogs can be safe and beneficial, yes this is true, but it is also very important to take care of the right fruit and limited quantity. Along with this, give them fruits only as a treat, because they cannot be a part of their main diet. Usually some pet dogs like to eat fruits, in such a situation some fruits like apple and banana can be very beneficial for them. These fruits are rich in many nutrients like vitamins, fiber and antioxidants. You should feed these fruits to them only after removing the seeds and peel. Along with this, fruits like grapes, raisins and avocado can act as poison for dogs. So let's know which fruits (Safe Fruits For Dogs) are beneficial for your pet dog. Apple is an excellent fruit for the health of dogs. It is rich in fiber, vitamin A and C, which increases their immune power and keeps the teeth clean. Remove the seeds and cut them into small pieces because the seeds contain cyanide. Banana - Banana contains potassium, magnesium and vitamin B6. It strengthens the bones and improves the digestive system. However, it contains more natural sugar, so give it to them in limited quantities. WatermelonWatermelon is a great option for dogs to remove hydration in summer. It contains vitamins A, B6 and C. However, remove its seeds and peel as they can obstruct the digestive system.Blueberry- Blueberries are rich in antioxidants and fiber. They promote the mental health of dogs and protect cells from damage. It is small, so it can be fed to the dog without cutting it. Also read- If you want to stay healthy and fit for years, then bring home a pet dog-Orange- Orange is a good source of vitamin C. It strengthens the immune power and also detoxifies the body, but keep in mind that you should give it to your pet dog only as a treat and avoid giving it in excess as it can weaken their teeth. Papaya- Papaya improves the digestive system of dogs as well as humans. It contains vitamin A, vitamin C and fiber. Keep in mind that it is important to remove its seeds and peel before giving it to dogs. Pear- Pear contains vitamin C, vitamin K and fiber, which improves digestion and immunity of dogs, but it is also important to remove its seeds as they may contain cyanide.

From Octopus Ice Cream to Cuddle Cafe, you will be able to see such strange things only in Japan

Japan is famous all over the world for its culture and traditions (Japanese Culture). Japanese people are known for their creativity and the result of this are some of their strange inventions (Weird Things In Japan). Yes, these inventions are so strange that the onlookers are often surprised and are forced to think what is their purpose. Let's find out. Japan is counted among technologically developed countries. Here you will get to see many surprising things. Cuddle cafes of Japan are very famous all over the world. Japan is a country which is known all over the world for its creativity. Whether it is eating octopus flavored ice cream or spending peaceful moments by going to a cuddle cafe, you will get to see something new and strange every moment in Japan (Weird Things In Japan), but do you want to know why Japanese people are so creative and what unique things are seen here? If yes, then in this article we will tell you about some such fun and strange things of Japan (Fun Facts About Japan) which will surprise you. Vending Machine - Vending machines are so prevalent in Japan that there is one vending machine for every 23 people! This number is equivalent to about 5 million vending machines. You can imagine that there is a vending machine for almost everything in the country. Whether you want to buy snacks, magazines, toilet paper, flowers or umbrellas, you just have to find the nearest vending machine. There are many reasons behind having so many vending machines in Japan, such as low crime rate, attachment to automation i.e. making something run automatically, so that we do not have to do work again and again. For example, a machine that washes clothes, a robot that builds a car, or a computer program that does the accounting itself. Cuddle Cafe Cuddle cafes are quite popular in Japan. In the fast-paced life here, people often feel tired and stressed. In such a situation, cuddle cafes help in reducing this stress. In these cafes, people can relax by spending time with a professional cuddler or someone close to them. These cafes provide a safe and comfortable environment, where people can spend relaxing moments without any hesitation. Imagine, you go to an ice cream parlor and see a unique flavor in the menu - Octopus ice cream! Yes, you read it right. In Japan, octopus ice cream is no less than a special dessert for seafood lovers. Octopus ice cream can be a unique experience for people who do new experiments with food. Power nap in between work - Taking a power nap during work is considered wrong in most countries. If you are caught sleeping during work, you may not only be scolded but may also lose your job, but this is not the case in Japan. Yes, here sleeping during work is not only accepted by the companies but it is also considered a symbol of respect. People here believe that the person who gets tired and falls asleep while working, works very hard. Some Japanese companies even give their employees half an hour to rest in the afternoon. This practice is called 'inemuri'. , Fashion of crooked teeth - A unique fashion trend has emerged rapidly in Japan, which is called 'Yaeba'. In this trend, young girls get dental treatments to make their teeth look broken or uneven intentionally. It may look strange, but it has become a new standard of beauty among Japanese youth. However, this fashion is quite expensive and involves many dental surgeries.

Why didn't she come on stage... Diljit Dosanjh asked Nimrat Kaur a question, the actress's answer will win your heart

People of India are currently having Diljit Dosanjh fever. Diljit is making headlines for posting pictures with people along with songs in the show and for his good heart. The singer's clips are trending a lot on social media. Recently, actress Nimrat Kaur also reached the singer's show. Nimrat danced in the concert Diljit on Dil Luminati Tour- Nimrat shared many pictures Diljit Dosanjh is currently on Dil Luminati Tour. The singer has done many concerts across the country and abroad. Recently, the actor was in Ahmedabad, Lucknow, Pune, Jaipur and then Mumbai. Nimrat Kaur danced to Diljit's songs- During this, actress Nimrat Kaur also attended his Pune concert. She posted many pictures and videos from the event. In these, the actress was seen dancing and singing in the crowd on Diljit's songs. It is clear from the pictures how much the actress is enjoying the whole time there. Nimrat danced fiercely to songs like Vibe, Kinni Kinni, Lemonade, Naina, Hass Hass and the title track of Bhool Bhulaiyaa. Nimrat also posed with security personnel at the event. While sharing the post, Nimrat wrote a line from Diljit's song Lover - Hona Ni Main Recover and shared a goat, heart and trophy emoji with it. Shared the post on social media - After this she wrote - 'The best concert I have ever attended. There is no comparison to you. Waheguru always bless you.' When Diljit saw this post of Nimrat, he also reacted to it. Diljit asked Nimrat in Punjabi that you came to the concert. You should have come on stage. To this, Nimrat Kaur replied, "Diljit that stage and spotlight is only and only for you! I am so lucky that I finally got to see you live, thanks to your purity." About Diljit's show- Diljit started the India phase of his Dil Luminati Tour 2024 in New Delhi in October. In the coming time, he will be in Kolkata (30 November), Bengaluru (6 December), Indore (8 December), Chandigarh (14 December) and Guwahati on 29 December. Earlier, questions have also been raised about the song on alcohol in Diljit's concert. The Telangana government had objected to this matter and said that Diljit works to promote drugs, alcohol and violence with such songs in the concert.

Tumbbad's cinematographer Pankaj Kumar is going to become a director, will show the unseen picture of Nagaland through the film Konyak

Among the films re-released this year, you must remember Tumbbad. The devil Hastar of the film made everyone sweat. From the story of Tumbbad to its visuals, everything was appreciated. Cinematographer Pankaj Kumar, who worked behind the frame in the film, has announced to bring his film on screen, which will be named Konyak. Tumbbad's cinematographer is going to become a director Will step into the world of direction with the film 'Konyak' - will produce within his own production houseTumbbad film has made the record of earning the highest amount among the films re-released this year. People loved the story of the film so much that the makers have announced its second part. Talking about the film, its story was a period drama horror movie. There were many reasons for its success, one of which was the scenes shown in it and the way they were shot. The film has achieved this position today due to the hard work of Pankaj Kapoor, who worked on the cinematography of Tumbbad. Now Pankaj is going to use his talent in his upcoming film Konyak. Who will write the story of Konyak? The story of 'Konyak' is going to be written by Uddhav Ghosh. The film is going to show the story of a young tribal warrior who can predict the events that will happen in the future. He will have to fight with the people of other tribes to save his family in the coming times. It will be shot in Konyak Naga and Hindi languages. Uddhav also told that he got this idea while roaming in Nagaland. Pankaj became famous with the cinematography of these films- Apart from Tumbbad, Pankaj Kumar has worked as a cinematographer in films like Brahmastra Part One: Shiva (2022), Talvar (2015) and Haider (2014). Pankaj also contributed to Raj & DK's web-series Farzi (2023) and Guns & Roses (2023) released on OTT. Let us tell you that work is also going on on a web series named Khauf directed by him for Prime Video. At the same time, he will produce Konyak under the banner of his new production house Jiboom Studio. About Tumbbad 2 ... Tumbbad actor Soham Shah recently announced the making of its second part in view of the success of the first part of the film. Soham shared a post on social media and announced the sequel of 'Tumbbad'. At present, no update has been revealed on its story or release date.

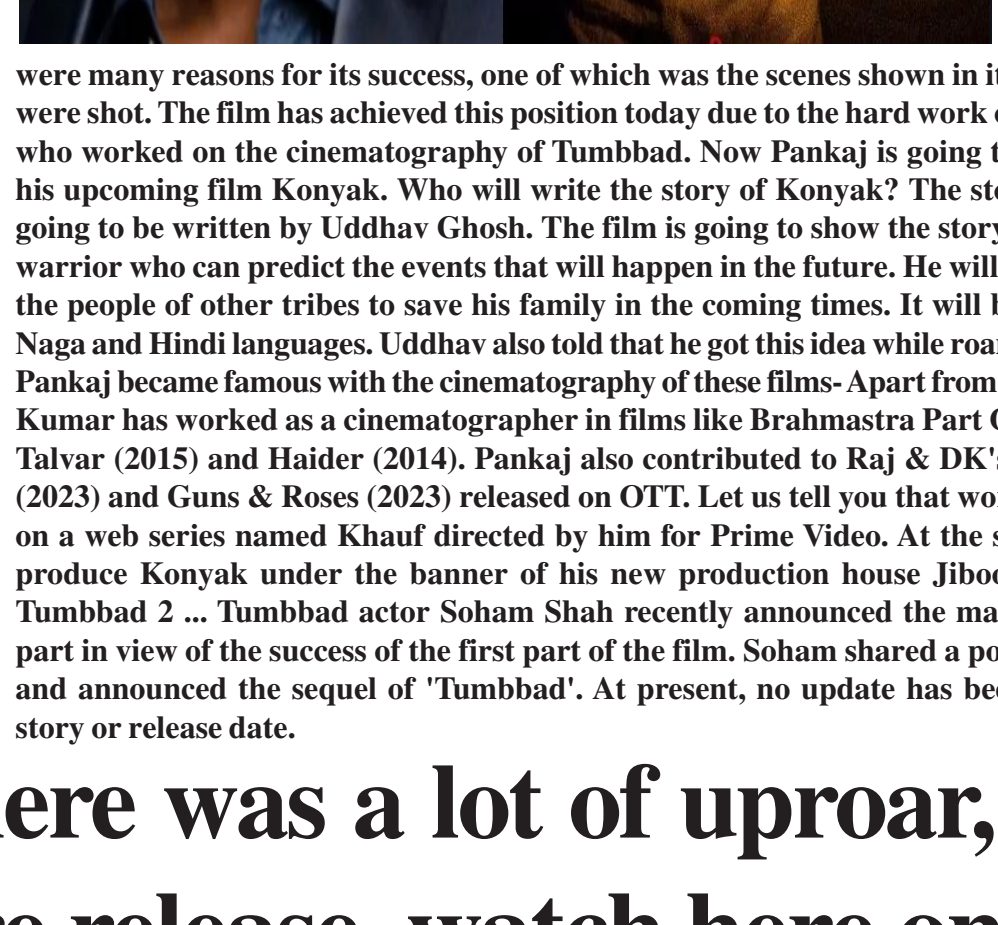

From bold scenes to story, there was a lot of uproar, these films were banned even before release, watch here on OTT

Countless movies have been made in the film industry so far. Some films create history by reaching the theater and some get banned due to their story or other reasons. Today we will tell you about those films of Indian cinema which were banned even before release. However, in today's time they are available on OTT which you can watch. These films banned in India - There was a ruckus even before release - Now they are available on these OTT platforms. Many films are released in Bollywood every year, but some of these movies are banned by the censor board even before their release. Some such films with bold scenes or controversial story still become a topic of discussion among the people. Let us tell you the names of some such films, whose release created a lot of uproar. 1. Fire - The first name in this list is the film 'Fire' (1996) directed by Deepa Mehta. In which an attempt was made to show the homosexual relationship between two women. This was the story of two women of a middle class family who are sister-in-laws in relation. But after a time both of them fall in love with each other. Many bold scenes have been shown in the film, due to which many organizations protested against it. After the uproar, it was banned. You can watch the film on YouTube. 2. Water - The story of the 2005 film 'Water' was based on the life of a widow. She has to do many types of work to raise her child. There was a lot of opposition to it during the shooting of the film itself. John Abraham also worked in the film. You can watch it on YouTube. 3. Angry Indian Goddesses The film 'Angry Indian Goddesses' released in the year 2015 was banned even before reaching the theaters. The movie was based on 7 women who have their own different stories. This film is also available on YouTube. 4. Loev- Like Fire, the story of Loev was also based on homosexuality, which was made in the year 2015. It never got a chance to be released in theaters. The censor board objected to some scenes filmed on the story of a gay couple, after which it was banned. This film is streaming on YouTube. 5. Parzania- Based on a true incident, the film 'Parzania' shows the story of a Parsi family. The family tries to find their son who went missing in the riots that broke out after the Godhra train accident in 2002. You can watch this film on Disney Plus Hotstar. 6. Unfreedom- The film 'Unfreedom', released in the year 2014, was also based on the subject of homosexuality. Many bold scenes were filmed in the film which were not passed by the censor board. You can watch it on YouTube.